छबडा सुपर थर्मल पॉवर प्रोजेक्ट

दूसरी इकाई के बायलर का हाइड्रोलिक परीक्षण सम्पन्न

जयपुर, 1मई। बारां जिले के चौकीमोतीपुरा गांव में निर्माणाधीन छबडा सुपर थर्मल पॉवर प्रोजेक्ट की 250 मेगावाट क्षमता वाली दूसरी इकाई के बॉयलर का हाइड्रोलिक परीक्षण शुक्रवार को सफलतापूर्वक सम्पन्न कर लिया गया है। नई इकाई के निर्माण कार्य का यह एक महत्वपूर्ण चरण है।

दूसरी इकाई का निर्माण कार्य तेजी से प्रगति पर है तथा इसे इसी वर्ष अक्टूबर माह में सिन्क्रोनाइज करने का लक्ष्य हैं। उन्होंने बताया कि पिछले महिने की 16 तारीख को 250 मेगावाट क्षमता वाली पहली इकाई को सफलतापूर्वक सिन्क्रोनाइज किया गया था।

दूसरी इकाई के बॉयलर की ट्यूबो में लगाये गये 13500 जोंडों के आज सम्पन्न परीक्षण की प्रक्रिया में पाया गया कि यह सभी मजबूती से लगाये गये है तथा उनमे किसी प्रकार का कोई लीकेज नहीं है। उन्होंने बताया कि बॉयलर की कार्यप्रणाली लगातार अति उच्च ताप और दाब पर कार्य करने वाली होती है इसलिये इसकी स्थापना के पश्चात प्रयोग में लाने से पूर्व बॉयलर के नॉन ड्रेनेबल हिस्से में डीएम वॉटर को बॉयलर ट्यूबो में भरकर 273.5 किलोग्राम प्रति वर्ग सेंटीमीटर उच्च दबाब पर हाइड्रोलिक परीक्षण किया जाता है। इस इकाई के अन्य संयंत्रो की स्थापना का कार्य भी तेजी से चल रहा है।

परियोजना के प्रथम चरण में ही दूसरे फेज में 250–250 मेगावाट क्षमता की तीसरी और चौथी इकाई का निर्माण कार्य भी शुरु कर दिया गया है। तीसरी इकाई को अगस्त 2011 में तथा चौथी इकाई को अक्टूबर 2011 में चालू करने का लक्ष्य है। परियोजना के विस्तार कार्यक्रम के अंतर्गत दूसरे चरण में हाल ही में 660–660 मेगावाट क्षमता की नई स्वीकृत दो इकाइयों पर भी परियोजना निर्माण से संबंधित आरम्भिक कार्य प्रारम्भ कर दिये गये है। पांचवी इकाई को मार्च 2013 तथा छठी इकाई को सितम्बर 2013 में चालू करने का लक्ष्य है। इन इकाइयों के चालू होने के साथ ही छबडा ताप बिजलीघर की क्षमता 2320 मेगावाट हो जायेगी।

विद्युत उत्पादन निगम ने इस वर्ष 31 मार्च को सूरतगढ में 250 मेगावाट क्षमता की छठी इकाई सिन्क्रोनाइज की थी तथा इस माह के अंत तक कोटा में निर्माणाधीन 195 मेगावाट क्षमता की सातवी इकाई को भी सिन्क्रोनाइज कर लिये जाने का लक्ष्य है।